राज और ऋषि के बीच जो वैर था वह धीरे धीरे ख़त्म हो जा रहा है, दोनों में एक दोस्ती-सी बन रही है - हालांकि कभी कभी वह पुराना युद्ध फिर से मच भी जाता है । सुरेश के विषय में क्या कहा जाए; कई कारणों से उसे तो बहुत दुःख उठाना पड़ा है, और ज़िंदगी से ऊबकर वह शराब कुछ ज़्यादा पीने लगा है। पहले तो वह किसी होटल में काम कर रहा था, पर उसके ज़्यादा पीने की वजह से उसकी नौकरी ख़त्म हो गई है। ख़ुदा जाने, आगे क्या होगा उसका । खन्ना साहब कुछ समय के लिए लन्दन जानेवाले है, काम के सिलसिले में, और उमा को भी लन्दन में ही अच्छी-सी नौकरी मिल गई है। हरीश तो अमेरिका के किसी विश्वविद्यालय में बी० ए० करने आएगा, जबकि पिंकी की शादी एक अंग्रेज़ से होनेवाली है। और प्रताप? उसकी आगे की कहानी काफ़ी दिलचस्प है (अगर अरुण इस समय यहाँ होता तो कहता कि "अद्भुत है!" हाँ, प्रताप की ज़िन्दगी में क्या क्या हो जाता है, यह सुनकर आपको आश्चर्य होगा, पर उसकी कहानी तो किसी दूसरी किताब में बताई जाएगी!

1- **Metinde geçen gramer kuralların analizini yaparak Türkçeye çevirmek.**